

अध्याय - 3

बीमा अनुबन्धः वैध पक्ष तथा विशेष लक्षण

1. बीमा अनुबन्धः

(क) बीमा में अनुबन्धनात्मक सहमति सम्मिलित होती है जिसमें बीमा कम्पनी प्रीमियम के रूप में एक मूल्य या प्रतिफल के बदले निश्चित निर्धारित जोखिमों के प्रतिवितीय संरक्षण प्रदान करने के लिए सहमत होती है।

(ख) अनुबन्धनात्मक सहमति बीमा पॉलिसी का रूप ले लेती है।

2. वैध अनुबन्ध के तत्व

(क) प्रस्ताव एवं स्वीकृति

(ख) प्रतिफल

(ग) पार्टियों के बीच सहमति

(घ) वैधता

3. सहमति को मुक्त तब कहा जाता है जबकि उसमें निम्नलिखित कारण सम्मिलित न हों

(क) बल प्रयोग (धमकी): आपराधिक माध्यमों से दबाव न डाला गया हो।

(ख) अनैतिक प्रभाव: जब कोई व्यक्ति, जोकि दूसरे व्यक्ति की इच्छा पर प्रभाव डालने में सक्षम हो, दूसरे से अनुचित लाभ उठाने के लिए अपने पद का प्रयोग करता हो।

(ग) धोखाधड़ी: जब कोई व्यक्ति दूसरे को गलत विश्वास करने के लिए प्रेरित करता है जो ऐसे प्रकटीकरण के द्वारा उत्पन्न किया जाता है जिसे वह सही नहीं मानता। यह स्थिति प्रत्यक्ष तथ्यों के छिपाने के कारण या उन्हें गलत ढंग से प्रस्तुत करने के कारण उत्पन्न होती है।

(घ) गलती: किसी व्यक्ति की जानकारी या विश्वास या वस्तु अथवा घटना की व्याख्या में गलती, इससे अनुबन्ध की विषयवस्तु के बारे में सहमति तथा समझने में गलती हो सकती है।

4. उबेरिमा फाइड्स या परमसद्भाव

(क) इसका तात्पर्य है कि अनुबन्ध में सम्मिलित प्रत्येक पार्टी को बीमा की विषय वस्तु से सम्बन्धित सभी आवश्यक तथ्यों को प्रकट करना चाहिए।

(ख) इसका तात्पर्य यह है कि अनुबन्ध में सम्मिलित सभी पार्टियों का यह सकारात्मक कर्तव्य है कि वे प्रस्तावित जोखिम से सम्बन्धित सभी आवश्यक तथ्यों को स्वतः ही बिल्कुल सही एवं पूर्णतया प्रकट कर दें, चाहे पूछा जाए या न पूछा जाए।

(ग) यदि किसी पार्टी के द्वारा परम सद्भाव के सिद्धान्त का पालन नहीं किया जाता है तो दूसरी पार्टी अनुबन्ध को रद्द कर सकती है।

5. आवश्यक तथ्य: इसको ऐसे तथ्य के रूप में परिभाषित किया गया है जिससे जोखिम की स्वीकृति, प्रीमियम की दर तथा नियम एवं शर्तों का निर्णय करने में बीमालेखक का फैसला प्रभावित हो सकता है।

6. बीमायोग्य हित निम्नलिखित में हो सकता है:

(क) स्वयं के जीवन में

(ख) जीवन साथी के जीवन में

(ग) बच्चों के जीवन में

(घ) स्वयं की आस्तियों में

7. निकटतम कारण: इसको एक सक्रिय एवं कुशल कारण के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो परिणामकारी घटनाओं की एक श्रृंखला प्रारम्भ करता है जिसमें किसी प्रकार का बल प्रयोग नहीं होता तथा जो नए एवं निराश्रित साधन से सक्रिय रूप से कार्य करती है।